Teri Jai Ho Ganesh Lyrics in Hindi and English

Teri Jai Ho Ganesh Lyrics in Hindi

तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश, तेरी जय हो गणेश।

प्रथमे गौरा जी को वंदना, द्वितीये आदि गणेश, त्रितिये सुमीरु शारदा, मेरे कारज करो हमेश ।

तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश, तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश।

किस जननी ने तुझे जनम दियो है, किस जननी ने तुझे जनम दियो है, किसने दियो उपदेश, तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश।

माता गौरा ने तेनू जनम दियो है, माता गौरा ने तेनू जनम दियो है, शिव ने दियो उपदेश, तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश ।

कारज पूरण कदिह होवे, कारज पूरण कदिह होवे, गणपित पूजो जी हमेश, तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश ।

तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश, तेरी जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश।।

Teri Jai Ho Ganesh Lyrics in English

Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

Prathame Gauraji ko Vandana, Dvitīye Ādi Ganesh, Tritīye Sumiru Sharada, Mere Kaaj Karu Hamesh.

Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

Kis Janani Ne Tujhe Janam Diyo Hai, Kis Janani Ne Tujhe Janam Diyo Hai, Kisne Diyo Updesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

Mata Gaurā Ne Tenu Janam Diyo Hai, Mata Gaurā Ne Tenu Janam Diyo Hai, Shiv Ne Diyo Updesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

Kaaj Puran Kadhi Hove, Kaaj Puran Kadhi Hove, Ganpati Poojo Ji Hamesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh, Teri Jai Ho Ganesh.

About Teri Jai Ho Ganesh Bhajan in English

"Teri Jai Ho Ganesh" is a devotional bhajan that exalts the greatness of Lord Ganesha, the remover of obstacles, the god of wisdom, and the harbinger of good fortune. The bhajan is a heartfelt prayer, invoking Lord Ganesha's blessings for the completion of tasks and the removal of all barriers in life. It praises Lord Ganesha's divine attributes and his role as a

protector and guide for his devotees.

- Praise for Lord Ganesha: The bhajan begins with the repeated chant of "Teri Jai Ho Ganesh," a powerful declaration of victory and reverence for Lord Ganesha. This chant emphasizes the importance of Ganesha's divine power, asking for his blessings and expressing devotion to his omnipotence.
- Acknowledging the Divine Source: The bhajan acknowledges the source of Lord Ganesha's divine birth. It mentions Mata Gauri (Parvati), his mother, and Lord Shiva, his father, stating that Gauri gave birth to him and Shiva imparted wisdom and guidance to him. This highlights the divine family dynamic of Lord Ganesha, who is the son of Lord Shiva and Mata Gauri, representing balance, wisdom, and strength.
- Importance of Ganesh's Blessings: The bhajan stresses the significance of Lord Ganesha's blessings in achieving success in various endeavors. It highlights the belief that by worshipping Ganesha and seeking his guidance, any task or work will be completed successfully ("Kaaj Puran Kadhi Hove"). His blessings are believed to help devotees overcome difficulties and ensure the fulfillment of their goals.
- Devotional Prayer: The repeated call for Lord Ganesha's
 blessings, "Teri Jai Ho Ganesh," reflects the deep reverence and
 devotion of the worshiper. It is not just a chant but a plea for
 Ganesha's presence, grace, and guidance in everyday life. Devotees
 believe that with Ganesha's blessings, no obstacle can stand in their
 way, and they will achieve their goals.
- Significance of Ganesha's Role: Lord Ganesha is known as the remover of obstacles, and this bhajan reflects the belief that he can remove all difficulties, bringing peace and prosperity to the lives of his devotees. His role as a protector and guide is emphasized, as the bhajan calls for his divine intervention in removing the barriers that hinder success.
- A Call for Success and Fulfillment: The bhajan ends by again invoking Lord Ganesha and requesting his blessings for the completion of tasks. The repetition of the line "Teri Jai Ho Ganesh" at the end strengthens the devotee's faith in Ganesha's divine

powers, ensuring that all prayers are heard and answered.

"Teri Jai Ho Ganesh" is a deeply spiritual and celebratory bhajan, conveying both devotion and the desire for Ganesha's divine presence in the devotee's life. It is a prayer for blessings, success, and the removal of obstacles. The bhajan reflects the immense faith devotees have in Lord Ganesha's power to transform lives, bring prosperity, and ensure that all tasks are completed without difficulty. It is a beautiful tribute to Lord Ganesha and his role as the beloved god of wisdom and good fortune.

About Teri Jai Ho Ganesh Bhajan in Hindi

'तरी जय हो गणेश" भजन के बारे में

"तेरी जय हो गणेश" एक अत्यंत भिक्त से भरा हुआ भजन है, जो भगवान गणेश की महिमा, शिक्त और उनके प्रति भक्तों की अटूट श्रद्धा को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान गणेश को समर्पित है और उनके अद्वितीय रूप और दिव्य गुणों का गुणगान करता है। भजन में भगवान गणेश की पूजा और उनके आशीर्वाद की प्रार्थना की जाती है, तािक वे अपने भक्तों के जीवन से सभी विघ्नों को दूर कर दें और उन्हें सफलता और समृद्धि प्रदान करें।

- भगवान गणेश की महिमा का उद्घाटन: भजन की शुरुआत "तेरी जय हो गणेश" के उद्घोष से होती है, जो भगवान गणेश की शक्ति और महानता का सम्मान करता है। यह उद्घोष हर पंक्ति में भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है, जिससे भक्त भगवान गणेश की दिव्यता और शक्ति को मानते हुए उन्हें अपने जीवन में मार्गदर्शन देने के लिए बुलाते हैं।
- भगवान गणेश के जन्म का संदर्भ: भजन में यह भी बताया गया है कि माता गौरी ने भगवान गणेश को जन्म दिया और भगवान शिव ने उन्हें आशीर्वाद और उपदेश दिया। यह पंक्तियाँ गणेश जी के माता-पिता के रिश्ते को दर्शाती हैं, जो उनकी आशीर्वादपूर्ण और सर्वश्रेष्ठ दिव्यता का प्रतीक हैं।
- भगवान गणेश से आशीर्वाद की प्रार्थना : भजन में भगवान गणेश से यह प्रार्थना की जाती है कि वह अपने भक्तों के कार्यों को सफल बनाएं। "कारज पूरण कदिह होवे" (काम सफल हों) और "गणपित पूजो जी हमेश" (हमेशा गणेश जी की पूजा करो) इन पंक्तियों में भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा और विश्वास को व्यक्त किया गया है। भक्त चाहते हैं कि गणेश जी उनकी सभी मेहनत को सफल बनाएं और हर कार्य में मंगल लाएं।

- गणेश जी का आशीर्वाद जीवन में: भजन में गणेश जी की कृपा से जीवन में आने वाले विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना की गई है। "विघन को हारना, मंगल करना" (विघ्नों को हराओ और मंगल लाओ) यह पंक्ति भगवान गणेश के विघ्नहर्ता रूप की महिमा का बखान करती है, जिससे हर कार्य बिना किसी कठिनाई के पूरा होता है।
- भिक्त और श्रद्धा का उत्सव: "तेरी जय हो गणेश" भजन एक भिक्त और श्रद्धा से भरा उत्सव है, जो भगवान गणेश के प्रति भक्तों की प्रेम और विश्वास को व्यक्त करता है। यह भजन भगवान गणेश की महिमा और उनकी दिव्य शिक्त को पूरे दिल से मानते हुए उनकी पूजा करने की प्रेरणा देता है।

कुल मिलाकर, "तेरी जय हो गणेश" भजन भगवान गणेश की दिव्यता, शक्ति और भक्तों के प्रति उनके आशीर्वाद की प्रार्थना है। यह भजन श्रद्धालुओं के जीवन में शांति, समृद्धि, और सफलता लाने के लिए भगवान गणेश से आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना करता है। यह भजन गणेश जी के प्रति भक्ति का एक सुंदर रूप है, जो उनके भक्तों को विघ्नों से मुक्ति दिलाता है और जीवन को सुखमय बनाता है।